नई सोच, नया आयाम

RNI No. CHHHIN/2009/35020

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 258 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 2 ₹ ◆ पृष्ठ : 4

धरमजयगढ़, बुधवार 27 जुलाई 2022

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

पेज -3 पर

दीपक तिवारी अधिवक्ता पूर्व सचिव उमंग उत्साह के साथ केक ...

फैड्रेशन के हड़ताल के पहले दिन से ही सरकारी कामकाज ठप्प

पेज -4 पर

200 करोड़ का डामर घोटाला

शासन के जवाब से कोर्ट असंतुष्ट

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में 200 करोड़ रुपए के डामर घोटाले को लेकर दायर याचिका पर राज्य शासन ने एक बार फिर कहा कि जिम्मेदार और दोषी अफसरों पर कार्रवाई की जा रही है। इस पर हाईकोर्ट ने राज्य शासन को लिखित दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए एक प्रति याचिकाकर्ता को भी उपलब्ध कराने कहा है। प्रकरण की सुनवाई अब दो सप्ताह बाद होगी।

वीरेंद्र पांडेय ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। इसमें बताया कि हाईकोर्ट ने साल 2019 में शासन के लिखित आश्वासन के बाद जनहित याचिका को हाईकोर्ट ने निराकृत कर दिया था। तब से इस मामले में कार्रवाई नहीं की गई है। याचिकाकर्ता 2014 से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, लेकिन हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी शासन इस गंभीर मामले में गुमराह कर रहा है। ऐसे में उन्हें हाईकोर्ट में दोबारा जनहित दायर करनी पड़ी है।

याचिका में प्रदेश भर की 21 सड़कों के निर्माण के लिए एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB) से 1200 करोड़ रुपए का कर्ज लेने और उसमें से 200 करोड़ रुपए का घोटाला करने की जानकारी दी गई है। इस याचिका पर अब शासन की तरफ से फिर से वही पुराना जवाब प्रस्तुत किया जा रहा है, जो संतोषजनक नहीं है। याचिकाकर्ता ने शासन की तरफ से अब तक की गई कार्रवाई पर जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की।

याचिकाकर्ता के वकीलों ने सोमवार को याचिका को शासन की कार्रवाई होने तक लंबित रखने कहा। साथ ही शासन की तरफ से की जा रही कार्रवाई की जानकारी लेने के लिए भी कहा गया। पूर्व में कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के तर्क पर सहमति जताते हुए शासन को जांच और कार्रवाई के लिए समय दिया था। इसके जवाब में शासन ने चीफ जस्टिस अरुप कुमार गोस्वामी की डिवीजन बेंच में बताया कि इस गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार और दोषी अफसरों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अनुमति दी जा रही है।

ईडी के दफ्तर पर बीजेपी कार्यालय का बोर्ड लगाया

यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, कहा- यह भी भाजपा ही है, जमकर हुई नारेबाजी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित प्रवर्तन निदेशालय(ED) के पुजारी पार्क स्थित कार्यालय के बोर्ड के पास भाजपा कार्यालय का बोर्ड लगा दिया गया। यह काम युवा कांग्रेस के नेताओं ने किया। ED दफ्तर पर चढ़ गए प्रदर्शनकारियों ने वहां एजेंसी और भाजपा के खिलाफ नारेबाजी भी की। इस दौरान उन्होंने कहा, एक केंद्रीय एजेंसी जिस तरह भाजपा के लिए काम कर रही है तो उसका कार्यालय भी भाजपा का ही कार्यालय है। नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस की राष्ट्रीय सोनिया गांधी को ED ने दूसरी बार पूछताछ के लिए बुलाया है। कांग्रेस पार्टी देशभर में इसका विरोध कर रही है। मंगलवार को युवा कांग्रेस के दर्जनों कार्यकर्ता रायपुर के पुजारी पार्क स्थित ED के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंच गए। यहां उन्होंने केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की। केंद्र सरकार पर ED का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। इस बीच प्रदर्शनकारियों ने अपने साथ लाए स्टीकर वहां की दीवारों पर चिपकाने शुरू कर दिए। इन पर भाजपा कार्यालय लिखा हुआ था। प्रवर्तन निदेशालय के मुख्य बोर्ड के नीचे भाजपा कार्यालय लिखा बोर्ड भी लगा दिया। काफी देर तक नारेबाजी के बाद प्रदर्शनकारी ED कार्यालय के बाहर से हटे। युवा कांग्रेस के पदाधिकारी ने बताया, देश भर में युवा कांग्रेस केंद्रीय जांच एजेंसियों के दफ्तर के बाहर ऐसे प्रदर्शन कर रही है। इस बीच प्रदेश कांग्रेस की ओर से रायपुर के गांधी मैदान में सत्याग्रह जारी है। महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास बैठे कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता ED की कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं। इस प्रदर्शन में सभी वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हैं। विधानसभा में प्रश्नकाल खत्म होने के बाद प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम भी यहां आकर बैठ गए हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह सत्याग्रह तब तक जारी रहेगा जब तक उनकी राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ED दफ्तर से बाहर नहीं चली जातीं।

एक नजर

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से राज्यपाल ने सौजन्य भेंट कर दी शुभकामनाएं

रायपुर। देश की नव निर्वाचित 15वीं राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के शपथ ग्रहण उपरांत राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने उनसे राष्ट्रपति भवन में मुलाकात कर शुभकामनाएं दी। राज्यपाल सुश्री उइके ने राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू से देश व प्रदेश के विभिन्न विषयों को लेकर विस्तृत चर्चा की। राज्यपाल ने प्रदेश से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों और समस्याओं से राष्ट्रपति को अवगत कराया। राज्यपाल ने पेसा कानून के महत्व को रेखांकित करते हुए राष्ट्रपति को बताया कि कई राज्यों में पेसा कानून के नियम लागू नहीं है। उन्होंने पेसा कानून से जुड़े नियमों के क्रियान्वयन के लिए निर्देशित करने हेतु राष्ट्रपति से आग्रह किया। साथ ही नगरीय क्षेत्रों के लिए मेसा कानून से संबंधित विधेयक जो संसद में लंबित है, उसे शीघ्र पारित कराने का आग्रह किया। मेसा कानून के बनने से नगरीय क्षेत्रों में आरक्षण संबंधी नियम विधिवत् लागू हो पाएंगे, जिससे जनजातीय समुदाय को आरक्षण का वास्तविक लाभ मिल पाएगा।

पूर्व मंत्री को उठा ले गई पुलिस, जमकर बवाल

बीजेपी नेताओं के साथ विधानसभा घेराव के लिए निकले थे मूणत, डीएसपी से भिड़े प्रदर्शनकारी, 500 कार्यकर्ता गिरफ्तार

रायपुर। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा का घेराव किया। इस विरोध प्रदर्शन में पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, राजेश मूणत, भाजपा जिला और प्रदेश संगठन स्तर के तमाम नेता शामिल हुए। बड़ी तादाद में भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता भी सड़क पर सियासी हंगामा करते दिखे।

मंगलवार की दोपहर सभी कार्यकर्ता और नेता पंडरी मेन रोड के पास जीवन बीमा कार्यालय के करीब जमा हुए। ये सभी प्रदेश में बढ़ते अपराध को लेकर विरोध जताने विधानसभा घेराव करने निकले थे। पुलिस ने पहले से ही कुछ दूरी पर बैरिकेडिंग कर रखी थी। जैसे ही भाजपा के नेता विधानसभा का घेराव करने आगे बढ़े। पुलिस के साथ झूमाझटकी शुरू हो गई। धक्का-मुक्की करते हुए नेता आगे बढ़े। 12 फीट ऊंचे बैरिकेड को भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने तोड़ दिया, बैरिकेड पर जा चढ़े।

सड़क पर विधायक बृजमोहन अग्रवाल और पूर्व मंत्री राजेश मूणत भी नारेबाजी कर रहे थे। समर्थकों के साथ मौजूद इन नेताओं ने विधानसभा की तरफ कदम बढ़ाए तो पुलिस ने रोका। कुछ देर बाद राजेश मूणत सड़क पर बैठ गए। इनके साथ समर्थक भी सड़क पर बैठकर धरना देने लगे। पुलिस के समझाने के बाद भी ना तो समर्थक उठने को राजी हुए ना ही राजेश मूणत।

500 कार्यकर्ता गिरफ्तार

पुलिस अधिकारियों ने राजेश मूणत समर्थकों को बस में ठूंसना शुरू कर दिया। कार्यकर्ता उठने को राजी नहीं थे तो हाथ पांव पकड़कर पुलिस इन्हें उठा ले गई। कुछ देर बाद पुलिस के अफसर मूणत के पास भी पहुंचे, उनसे सड़क से उठने का आग्रह किया। मूणत ने हाथ जोड़कर सड़क से हटने पर मना कर दिया। फौरन बाद अफसरों ने मूणत को भी हाथ और पैर पकड़ कर उठा लिया, मूणत चिल्लाते रहे और पुलिस उन्हें उठाकर बस में ले गई। करीब 1 घंटे तक चले जबरदस्त हंगामे के बाद पुलिस ने बृजमोहन अग्रवाल समेत भाजपा के 500 से अधिक नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया।

DSP रैंक के अफसरों से धक्का-मुक्की

भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारियों ने बैरिकेड पार करने के लिए पूरी ताकत लगा दी। पुलिस के जवानों और ड्डस्क रैंक के अफसरों से जबरदस्त धक्का मुक्की हुई। कुछ भाजपा कार्यकर्ता पुलिस का ही डंडा छीनकर इसी से पुलिस को धकेल रहे थे। कुछ कार्यकर्ताओं के साथ पुलिसकर्मी तू-तड़ाक पर उतर आए।

शराब नहीं दी तो मार दी गोली

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर में फिर शराब के बहाने एक कत्ल हो गया। बदमाशों ने इस बार बुजुर्ग महिला की कनपटी पर गोली मार दी। बताया जा रहा है कि 4 बदमाश महिला के घर पहुंचे और शराब मांगी। महिला ने मना किया तो उस पर फायर कर दिया। हत्या के बाद बदमाश वहां से भाग निकले। अभी तक हत्यारों का सुराग नहीं लगा है। मामला आरा चौकी इलाके का है। इससे पहले भी इसी तरीके से दंपती की हत्या की गई थी।

जानकारी के मुताबिक, शहर की बांकीटोली निवासी भिनसो बाई (65) के पति की मौत हो चुकी है। उसके कोई बच्चे भी नहीं हैं। वह इन दिनों अपने मायके डभनीपानी हाकुकोना गई हुई थी। बताया जाता है कि रविवार की शाम करीब 6.30 बजे जब 4 लोग पहुंचे। उन्होंने दरवाजा खटखटाया। भिनसो बाई ने दरवाजा खोला तो बदमाशों ने शराब की मांग की। भिनसो बाई ने मना किया तो एक युवक ने कट्टा निकाला और फायर कर दिया।

गोली मारने के बाद महिला को कमरे में धकेला

गोली मारने के बाद बदमाशों ने भिनसा को उसके कमरे में अंदर धकेल दिया। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग और परिजने पहुंचे तो चारों बदमाश भागते हुए दिखाई दिए। गोली भिनसा बाई की कनपटी पर मारने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसे लेकर भिनसा बाई के भतीजे ने स्न्ड्डक्र दर्ज करवाई है। वहीं टोनही के शक में भी हत्या किए जाने की बात सामने आ रही है। हालांकि अभी किसी तरह की पुष्टि नहीं हो सकी है।

संबित पात्रा का कांग्रेस पर हमला

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नेता दूरबीन से देखते हैं ED कहां जा रही, घपला नहीं किया तो आराम से सो सकते हैं

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के कार्यक्रम हर घर तिरंगा में शामिल होने संबित पात्रा मंगलवार को रायपुर पहुंचे। कांग्रेस समेत देश के कई विपक्षी दल भाजपा पर ED और IT के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाते हैं। रायपुर में मीडिया से चर्चा के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता पात्रा ने इस पर जवाब दिया। छत्तीसगढ़ कांग्रेस नेताओं ने भी कहा था कि केंद्र के इशारे पर गली-गली ED की टीम घूम रही है। इस पर संबित पात्रा ने कहा जो कहते हैं कि गली गली में ED वाले घूम रहा हैं, वो डरते हैं। जिन्होंने पाप नहीं किया उन्हें क्या चिंता। मगर छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नेता दूरबीन लगाकर देखते हैं कि ED कहां जा रही है, उनको आत्मग्लानी है, पता है कि एक न एक दिन पकड़ा जाना है, इसलिए देखते हैं। अगर चित्त साफ है तो आराम से सो सकते है।मगर ये नया भारत है घपला किया है तो डरना तो पड़ेगा ।

चोर कब कहता है कि मैं चोर हूं

केंद्र सरकार द्वारा सेंट्रल एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करने के आरोप पर पात्रा ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि ये तो आदिकाल से होता आया है। चोर जब चोरी करते हुए पकड़ा जाता है तो कहां कहता है कि हां मैंने चोरी की। वो तो कहता है न कि मैं तो शरीफ हूं, मुझे फंसाया जा रहा है। मैं तो दूध का धुला हूं। मगर जांच तो होगी, चोरी पकड़ी गई है तो कार्रवाई तो होगी।

हरेली.. छत्तीसगढ़ में जैविक खेती और आर्थिक सशक्तिकरण का नया अध्याय

प्रकृति के प्रति प्रेम और समर्पण का लोकपर्व- हरेली

रायपुर। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण जन-जीवन में रचा-बसा खेती-किसानी से जुड़ा पहला त्यौहार है, हरेली। सावन मास की अमावस्या को मनाया जाने वाला यह त्यौहार वास्तव में प्रकृति के प्रति प्रेम और समर्पण का लोकपर्व है।

हरेली के दिन किसान अच्छी फसल की कामना के साथ धरती माता का सभी प्राणियों के भरण-पोषण के लिए आभार व्यक्त करते हैं। सभी लोग बारिश के आगमन के साथ चारो ओर बिखरी हरियाली और नई फसल का उत्साह से स्वागत करते हैं। हरेली पर्व को छोटे से बड़े तक सभी उत्साह और उमंग से मनाते हैं। गांवों में हरेली के दिन नागर, गैती, कुदाली, फावड़ा समेत खेती-किसानी से जुड़े सभी औजारों, खेतों और गोधन की पूजा की जाती है। सभी घरों में चीला, गुलगुल भजिया का प्रसाद बनाया जाता है। पूजा-अर्चना के बाद गांव के चौक-चौराहों में लोगों को जुटना शुरू हो जाता है। यहां गेड़ी दौड़, नारियल फेक, मटकी फोड़, रस्साकशी जैसी प्रतियोगिताएं देर तक चलती रहती हैं। लोग पारंपरिक तरीके से गेड़ी चढ़कर खुशियां मनाते हैं। माना जाता है कि बरसात के दिनों में पानी और कीचड़ से बचने के लिए गेड़ी चढ़ने का प्रचलन रहा है, जो समय के साथ परम्परा में परिवर्तित हो गया। इस अवसर पर किया जाने वाला गेड़ी लोक नृत्य भी छत्तीसगढ़ की पुरातन संस्कृति का अहम हिस्सा रहा है। हरेली में लोहारों द्वारा घर के मुख्य दरवाजे पर कील ठोककर और नीम की पत्तियां लगाने का रिवाज है। मान्यता है कि इससे घर-परिवार अनिष्ट से बचे रहते हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर माटी से जुड़ी अपनी गौरवशाली संस्कृति और परम्परा को सहेजने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की पहल की गई है। छत्तीसगढ़ सरकार ने मुख्यमंत्री निवास सहित पूरे राज्य में लोकपर्वों के धूम-धाम से सार्वजनिक आयोजन कर इसकी शुरूआत की है। इससे नई पीढ़ी के युवा भी अपनी पुरातन परम्पराओं से जुड़ने लगे हैं। सरकार ने हरेली त्यौहार के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

सिम्पलेक्स को करोड़ों का भुगतान..कांग्रेसियों की खुली पोल

बिलासपुर— भाजपा नेताओं ने निगम और राज्य सरकार पर सिवरेज मामले में जनता के साथ धोखाधड़ी किए जाने का आरोप लगाया है। भाजपा नेताओं ने कहा कि चुनाव के पहले सिवरेज काम को लेकर कांग्रेस नेताओं ने भ्र्ष्टाचार होने का आरोप लगाया था।

साथ ही सरकार बनते ही जांच का आश्वासन दिया था। लेकिन कांग्रेस सरकार ने जांच करना दूर कम्पनी को ना केवल 8 करोड़ का भुगतान किया। बल्कि 11 करोड़ की बैंक गारंटी को भी माफ कर दिया है। इससे कांग्रेस नेताओं का चाल चरित्र चेहरा सामने आ गया है। भाजपा नेताओं ने संयुक्त प्रेस नोट जारी कर बताया कि स्थानीय और राज्य सरकार ने चुनाव के पहले बड़े बड़े वादे किए थे। इसमें से एक वादा सिवरेज जांच का भी था। साढ़े तीन साल बीत जाने के बाद भी सिवरेज में भ्रष्टाचार की जांच नही हुई। भाजपा नेताओं ने बताया कि पिछले डेढ़ साल से सिवरेज का काम ठप है। बावजूद इसके सरकार ने सिवरेज का काम कर रही कम्पनी को 11 करोड़ की बैंक गारंटी माफ कर दिया है। साथ ही बिना काम के 8 करोड़ का भुगतान भी किया है। नगर निगम में बैठे नगर सरकार के जनर्प्रतिनिधि और अधिकारी सिवरेज में भ्रष्टाचार के लिए दोषी है।

शिव कलाओं में दक्ष हैं, भेद मुक्त हैं, वे महायोगी, आदियोगी हैं..!

मन कभी-कभी आध्यात्मिक हो जाता है तो निकल पड़ता है अनंत की यात्रा पर अपने आराध्य की खोज में। सारे ब्रह्मांड में घूमता है। जाकर वहां रुक सा जाता है जहां सफेद और बर्फीली पहाड़ियां हैं, खुला आसमान है, कंदराएँ हैं, शिलाएं हैं, जहां किसी आदियोगी के होने की संभावना प्रबल है।ऐसा महायोगी जो रात के चेहरे पर भभूत मल देता है, श्मशान को खेल का मैदान समझता है और देह से मुक्त हुई आत्माओं- प्रेतात्माओं को साथी खिलाड़ी।

जिसकी जटाओं में नदियां हैं। जिसने अपने भाल पर चंद्रमा को टिका रखा है। जहां प्रकृति के सारे विरोधी, कमजोर और वंचित साम्य भाव में होते हैं। जहां बाघ और बकरी एक ही घाट पर पानी पीते है। शिव ऐसे महायोगी हैं जिनके अंदर धधकते हुए सूर्य की ज्वाला है, शरद ऋतु की बरसती हुई चांदनी की शीतलता है, हाथ में त्रिशूल है, डमरू है। समुंदर से मथे हुए विष का पान करने वाला वह आदियोगी, त्रिनेत्रधारी नटराज भव सागर में खड़े जहाज की तरह है।

बर्फीली पहाड़ियों के शिलाओं पर ध्यान मुद्रा में बैठे शिव के यहां कोई दरबार नहीं लगता, सभी एकमेव स्थिति में रहते हैं, यहां तक कि विरोधी भी। शिव किसी बंधी बधाई मान्यताओं की डोर थामे नहीं चलते, बल्कि उन सभी का उल्लंघन करते हुए एक नई दुनिया

> शिव निर्विकार हैं, उनकी बांहें खुली हुई हैं, जिसमें जीव जगत के सभी प्राणियों के लिए जगह है। वे कैलाशपति हैं, प्रकृति में रची- बसी अनुभूति हैं। शिव तमाम तरह के वैभव से मुक्त हैं, नदी-पहाड़-झरना, पेड़-पालव आदि के सहचर हैं।

रचते हैं। श्मशान में शिव प्रेतों के साथी हैं, जली हुई चिताओं की राख उनके लिए होली का रंग है जो वे खुद के और पिशाचों के चेहरे पर मल देते हैं, जंगल में वे विषैले सांप- बिच्छुओं के अगुआ हैं।

नीलकंठ गरल पीकर भी इतने सरल हैं कि सर्प को गले में लपेट रखा है। शिव निष्कपट हैं इसलिए क्रोधी भी हैं। लेकिन उनका क्रोध अन्याय और विषमता के विरुद्ध है क्योंकि वे समता भाव से भरे हुए हैं। छल-छद्म रहित हृदय में क्रोध अपनी स्वाभाविक और आवश्यक मात्रा में उसी रूप में रहता है जितनी कि प्रसन्नता।

असहायों और बेजुबानों की तो शरणस्थली हैं, उनके पालक हैं, सहयात्री हैं, क्योंकि वे आरोपण के भाव से मुक्त हैं।

शिव के यहां माया नहीं है, संचय नहीं है फिर भी उनका भरा पूरा परिवार है। शिव बेजुबानों के सखा हैं, कमजोरों, वंचितों और निरीह जीवों को साथ लेकर चलते हैं। शिव समदर्शी हैं, उपेक्षा और वर्चस्व के भाव से परे। शिव समता और साथी भाव के जन्मदाता है। वे इन भावों से इस कदर भरे हुए हैं कि प्रेम में अर्धनारीश्वर हो जाते हैं, यह उनके प्रेम की पराकाष्ठा ही है, ऐसा होना ही उनके वैराग्य की चरम अवस्था है।

शिव हर तरह की कलाओं में दक्ष हैं, भेदमुक्त हैं, एक तरफ ज्ञानी हैं-ध्यानी हैं, योगी हैं तो दूसरी तरफ तांडव नृत्य में सिद्धस्थ हैं। शिव घोर तिमिर में प्रकाश की किरण हैं। उनके यहां कोई सोपानक्रम नहीं है। वे सखा भाव से भरे हुए हैं, इसीलिए आदि से अनादि हैं, अनंत हैं।

शिव निर्विकार हैं, उनकी बांहें खुली हुई हैं, जिसमें जीव जगत के सभी प्राणियों के लिए जगह है। वे कैलाशपति हैं, प्रकृति में रची- बसी अनुभूति हैं। शिव तमाम तरह के वैभव से मुक्त हैं, नदी-पहाड़-झरना, पेड़-पालव आदि के सहचर हैं।

असहायों और बेजुबानों की तो शरणस्थली हैं, उनके पालक हैं, सहयात्री हैं, क्योंकि वे आरोपण के भाव से मुक्त हैं। आज जब ताकतवर अपनी-अपनी महत्वाकांक्षाओं में लिप्त होकर दुनिया को युद्ध की आग झोंक देना चाहते हैं तो जरूरत इस बात है कि लोगों में शिवत्व का जागरण हो।

महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर शिव लोगों के हृदय में मित्र भाव का जागरण करें और लोग हथियार छोड़ एक-दूसरे की तरफ हाथ बढ़ाएं। प्रकृति, मनुष्य, स्त्री-पुरुष और समस्त संसार के प्राणियों में प्रेम, भाईचारा और सहोदर भाव जगे।

रत्नेश मिश्र

संपादकीय

कथनी जैसी ही हो करनी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालतें स्वतंत्रता की लोकपाल हैं और उसका संरक्षण उनका पावन कर्तव्य है। तो फिर ये सवाल उठेगा कि क्या आज अदालतें अपने इस पावन कर्तव्य को निभा रही हैं?

सुप्रीम कोर्ट से यह अपेक्षा नहीं रहती कि वह क्या अपेक्षित है, यह देश को बताए। बल्कि उम्मीद यह रहती है कि जो अपेक्षित है, उस पर अमल के लिए वह सरकार को मजबूर करे। भारतीय संविधान ने इसके लिए सुप्रीम कोर्ट को पूर्ण सक्षम बनाया है। अगर कानून नहीं है, तब भी सुप्रीम कोर्ट संविधान के अनुच्छेद 140 का उपयोग कर संविधान की मूल भावना के अनुरूप आदेश जारी कर सकता है। मगर हाल में रुझान यह है कि जज कोर्ट रूम के अंदर और बाहर भी अपनी टिप्पणियों में संवैधानिक भावना का उल्लेख करते हैं। वे उसके उल्लंघनों का भी कभी-कभार जिक्र करते हैं। लेकिन जब बारी फैसला देने की आती है, तो लोगों की आशा पूरी नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट की इस हफ्ते की गई एक खास टिप्पणी भी संभवत: इसी सिलसिले का हिस्सा है। देश की जेलों में विचाराधीन कैदियों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोकतंत्र पुलिस तंत्र जैसा नहीं लगना चाहिए, क्योंकि दोनों एक दूसरे के विरोधी हैं। बिल्कुल सही बात है। लेकिन क्या सुप्रीम कोर्ट इस बात से परिचित नहीं है कि देश धीरे-धीरे पुलिस तंत्र में बदलता जा रहा है? और इसकी एक वजह यह भी है कि पुलिस तंत्र की भावना से हुई कार्रवाइयां जब सुप्रीम कोर्ट पहुंचती हैं, तो अदालत उसमें न्याय को लटका देता है? अदालत ने कहा कि गिरफ्तारी अपने आप में एक कठोर कदम है, जिसका कम इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

अर्थव्यवस्था और निचले पायदान के लोगों की दुर्दशा, जीएसटी संग्रह के बढ़ते स्रोत

हाल ही में एक ड्राइवर से मेरी दिलचस्प बातचीत हुई। राम सिंह एक ड्राइवर है, जिसकी सेवाएं मैं समय-समय पर लेता रहता हूं, खासकर गर्मियों में, जब खुद ड्राइविंग करने का मेरा मन नहीं करता। वह बातूनी है, जो अर्थव्यवस्था के निचले पायदान पर रहने वाले लोगों की दुर्दशा और जमीनी स्तर के रूझानों की सटीक जानकारी के लिए व्यावहारिक साबित होता है।

कभी-कभी मुझे लगता है कि वह सूचनाओं का भंडार है-जो फिल्मों, फिल्मी सितारों, राजनेताओं, वैश्विक नेताओं, खेल, स्वास्थ्य सेवा, मौसम और ऐसी हर चीज के बारे में जानता है, जिसके बारे में कोई सोच सकता है। इस बार वह अमीरों के जीएसटी के बोझ से दबे होने और खुद के उससे बचे होने को लेकर खुश था, क्योंकि वह सिर्फ नकद में कारोबार करता था, यहां तक कि वह लोगों से अपना मेहनताना भी नकद में लेता था। मुझसे रहा नहीं गया, तो मैंने उससे पूछा कि क्या उसे सिर्फ नकद में भुगतान किया जाता है, इसलिए उसे लगता है कि वह कर नहीं चुका रहा है? उसने कहा, केवल वही पैसा कर के दायरे में आता है, जिसका भुगतान बैंकों के जरिये होता है।

उसका यह सरल विश्वास इस तर्क से उपजा था कि चूंकि उसकी कोई नियमित आय नहीं है, इसलिए उसे कोई कर नहीं चुकाना

करदाताओं का देश

> औसत मासिक जीएसटी संग्रह 1.5 लाख करोड़ रुपये के करीब है और वर्ष 2021-22 में पेट्रोल और डीजल की बिक्री से कुल कर संग्रह तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक था। इसलिए यह धारणा गलत है कि हर कोई कर का भुगतान नहीं करता या सरकार के खजाने में योगदान नहीं करता।

पड़ता। नोएडा में एक बैठक के बाद वापस पश्चिमी दिल्ली स्थित अपने घर जाते हुए पूरे रास्ते भर मुझे उसे समझाना पड़ा कि करदाता न होने की उसकी धारणा गलत है और वह भी कर चुकाता है। 140 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश में 1.5 करोड़ से कुछ अधिक आयकर दाताओं का होना बेशक निराशाजनक है।

आधिकारिक तौर पर वित्तमंत्री ने संसद में कहा है कि वर्ष 2019-20 में दर्ज किए गए व्यक्तिगत और कॉरपोरेट सहित सिर्फ आठ करोड़ से अधिक करदाता हैं। ऐसे में यह कहना आसान है कि देश में बहुत कम लोग कर चुकाते हैं, लेकिन यह लोगों की नौकरियों से संबंधित है, खासकर जब एक वर्ष में पांच लाख रुपये तक की आय आयकर से मुक्त होती है। जब मैंने राम सिंह से पूछा कि क्या उसने कपड़े और किराने का सामान खरीदा है, फोन रिचार्ज करवाया है, सिनेमा हॉल में फिल्म देखने के लिए टिकट खरीदा है या इंटरनेट पैक जैसी चीजें ली हैं?

इस पर उसने सहमति जताई। उसने यह भी बताया कि उसने एक पुरानी मोटरसाइकिल खरीदी है, जिसे वह और उसका बेटा जरूरत के हिसाब से चलाता है। मैंने उससे पूछा कि क्या उसे पता है कि पेट्रोल पर भी टैक्स लगता है, जिसका भुगतान उसे मोटरसाइकिल चलाते वक्त करना पड़ता है? फोन रिचार्ज कराते वक्त भी कर का भुगतान करना पड़ता है, और जब भी उसने किसी दुकान से कोई सामान खरीदा है, तो उसे जीएसटी का भुगतान करना पड़ा है। यह सुनकर अचानक वह चुप हो गया। औसत मासिक जीएसटी संग्रह 1.5 लाख करोड़ रुपये के करीब है और वर्ष 2021-22 में पेट्रोल और डीजल की बिक्री से कुल कर संग्रह तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक था। इसलिए यह धारणा गलत है कि हर कोई कर का भुगतान नहीं करता या सरकार के खजाने में योगदान नहीं करता। यह दरअसल एक कल्पना है। और इसलिए सरकार में बैठे लोगों द्वारा देश में करदाताओं की कम संख्या की बार-बार चर्चा करना भी उतना ही गलत है। असंगठित क्षेत्र में भारी रोजगार, उद्यमियों और अल्पकालिक व्यवसायों को देखते हुए सीधे आयकर के दायरे में आने वाले लोगों की संख्या भले कम हो सकती है, लेकिन आयकर कर संग्रह का एकमात्र स्रोत नहीं है। नागरिक अन्य तरीकों से भी सरकार को कर चुकाते हैं। सरकार की आय के मुख्य स्रोत जीएसटी और आयकर हैं।

नारायण कृष्णमूर्ति

मिला जुला

संसद के मानसून सत्र का 7वां दिन

हंगामे के चलते राज्यसभा से विपक्ष के 19 सांसद हफ्तेभर के लिए सस्पेंड

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का आज 7वां दिन है। मंगलवार को विपक्ष ने GST और महंगाई पर जोरदार हंगामा किया। इसके बाद राज्यसभा से विपक्ष के 19 सांसदों को एक हफ्ते के लिए सस्पेंड कर दिया गया।

लोकसभा से 4 कांग्रेस सांसद पूरे सत्र के लिए सस्पेंड | राज्यसभा के 19 विपक्षी सांसद इस हफ्ते के लिए निलंबित

हंगामे के चलते राज्यसभा की कार्यवाही पहले एक घंटे और फिर दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। इधर, लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के बाद ही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। सस्पेंड किए गए सांसदों में सुष्मिता देव, डॉ. शांतनु सेन और डोला सेन के अलावा मौसम नूर, शांता छेत्री, नदीमुल हक, अभी रंजन विश्वास (सभी तृणमूल कांग्रेस) के अलावा ए. रहीम और शिवदासान (वामदल), कनिमोझी (डीएमके), बीएल यादव (टीआरएस) और मोहम्मद अब्दुल्ला का नाम शामिल है। खास बात यह है कि इनमें कांग्रेस का कोई सांसद नहीं है।

सोमवार को कांग्रेस के चार सांसद निलंबित हुए

लोकसभा में सोमवार को भारी हंगामे के बीच स्पीकर ओम बिड़ला ने कांग्रेस के 4 सदस्यों को निलंबित कर दिया था। ज्योतिमणी, माणिकम टैगोर, टीएन प्रथापन और राम्या हरिदास को पूरे सत्र के लिए निलंबित किया गया है। दरअसल, लोकसभा में विपक्ष ने महंगाई और तस्ज्ञ पर जमकर हंगामा किया। कार्यवाही शुरू होने के कुछ देर बाद ही विपक्षी नेताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। स्पीकर ओम बिड़ला ने विपक्षी सदस्यों से कार्यवाही चलने देने की अपील की, लेकिन उन्होंने GST के खिलाफ नारेबाजी और तख्तियां दिखाना जारी रखा। इसके बाद स्पीकर ने चार सांसदों को निलंबित कर दिया था। टीएमसी सांसदों ने संसद के पास विरोध प्रदर्शन किया है। गारो और खासी जनजाति को संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की है। TMC सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने कहा कि हम संविधान की आठवीं अनुसूची में गारो और खासी को शामिल करने की मांग कर रहे हैं। मैं आज शून्यकाल में इस मुद्दे को संसद में उठाने जा रहा हूं।

स्पीकर ने कहा- सदन में तख्तियां न दिखाएं

स्पीकर ओम बिड़ला ने विपक्षी नेताओं से पूछा कि आप यहां नारे लगाने आए हैं या जनता से संबंधित मुद्दों को उठाने आए हैं। देश की जनता चाहती है कि सदन चले, लेकिन यह ऐसे नहीं चल सकता, मैं सदन में ऐसी स्थिति नहीं रहने दूंगा।

स्पीकर ने कहा, अगर आप तख्तियां दिखाना चाहते हैं, तो घर के बाहर करें। इसके बाद उन्होंने सदन को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया था।

मोदी जी राजा हैं और भारत में पुलिस राज है, हिरासत में लिए गए राहुल गांधी का केंद्र पर हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को हिरासत में लिया। राहुल अन्य कांग्रेसी नेताओं के साथ ईडी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। दरअसल कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने सोनिया गांधी को तलब किया है और उनसे पूछताछ जारी है।

हिरासत में लिए जाने के बाद राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। तानाशाही के लिए केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए, राहुल ने आरोप लगाया कि उन्हें संसद के अंदर चर्चा करने की भी अनुमति नहीं दी जा रही है और विरोध के दौरान नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। हिरासत में लिए जाने से पहले राहुल ने आरोप लगाया, मोदी जी राजा हैं और भारत में पुलिस राज है। मल्लिकार्जुन खड़गे, रंजीत रंजन, केसी वेणुगोपाल, मनिकम टैगोर, इमरान प्रतापगढ़ी और के सुरेश सहित पार्टी के अन्य नेताओं को भी हिरासत में लिया गया है। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, नेताओं को किंग्सवे कैंप ले जाया गया है।

मुख्य विपक्षी दल ने ईडी की कार्रवाई को राजनीतिक द्वेष की भावना से की गई कार्रवाई करार दिया और कहा कि सत्य ही इस तानाशाही का अंत करेगा। हिरासत में लिए जाने के बाद में राहुल गांधी ने ट्वीट किया, %%तानाशाही देखिए, शांतिपूर्ण प्रदर्शन नहीं कर सकते, महंगाई और बेरोजगारी पर चर्चा नहीं कर सकते। पुलिस और एजेंसियों का दुरूपयोग करके, हमें गिरफ्तार करके भी, कभी चुप नहीं करा पाओगे। सत्य ही इस तानाशाही का अंत करेगा।%% इससे पहले राहुल गांधी और कांग्रेस के कई अन्य सांसदों ने संसद भवन से मार्च निकाला। वे राष्ट्रपति भवन की तरफ बढ़ने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें विजय चौक पर रोक दिया। इसके बाद इन नेताओं ने वहां धरना दिया।

जहरीली शराब से अब तक 29 की मौत

अहमदाबाद। गुजरात के बोटाद जिले में जहरीली शराब पीने से अब तक 29 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 30 की हालत गंभीर है। सोमवार को इस मामले में 10 लोगों की मौत हुई थी। वहीं 19 लोगों की आज इलाज के दौरान मौत हो गई। इस केस में मुख्य आरोपी समेत 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मामले की जांच SIT ने शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में पता चला है कि सोमवार को बरवाला के रोजिद गांव में एक शराब भट्टी पर 8 गांव के लोग शराब पीने आए थे। शराब की जगह वहां लोगों को मेथेनॉल

केमिकल दिया गया था। यह मेथेनॉल अहमदाबाद से लाया गया था। जहरीली शराब पीकर मरने वालों के शवों को श्मशान घाट ले जाने की बजाय खुले में जमीन पर ही अंतिम संस्कार कर दिया गया। सबसे ज्यादा रोजिंद गांव में 9 लोगों के शव का अंतिम संस्कार किया गया है। जहरीली शराब से रोजिंद के अलावा रेस, चौकड़ी, धंधुका, नभोई, रणपरी, पोलरपुर और चौरागा में मातम है। जिले के प्रभारी मंत्री वीनू मरोदिया ने कहा कि ये घटना दुखद और शर्मनाक है। हम इसकी जांच करेंगे कि शराबबंदी के बावजूद राज्य में शराब कैसे और कौन बेच रहा है? दोषी पुलिस अधिकारियों पर भी कार्रवाई करेंगे। कांग्रेस नेता शक्ति सिंह गोहिल ने सरकार पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि शराबबंदी वाले गुजरात में जहरीली शराब कैसे मिली?

चुनाव के दौरान फ्री ऑफर्स पर रोक लगे

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से रास्ता निकालने को कहा; पॉलिटिकल पार्टियां देती हैं प्रलोभन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव के दौरान मुफ्त की योजनाओं पर रोक लगाने की बात कही है। इसके लिए केंद्र सरकार को निर्देश दिया है, कि जल्द से जल्द इस दिशा में कोई रास्ता निकालें। इस मामले में अगली सुनवाई 3 अगस्त को होगी।

वोटर्स को लुभाने के लिए मुफ्त की योजनाओं की घोषणाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने 3 मार्च को आपत्ति जताई थी, जिस पर याचिकाकर्ता ने याचिका वापस ले ली थी, लेकिन मंगलवार को कोर्ट ने इसी तरह के एक दूसरे पेंडिंग मामले में सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया।

सुनवाई के दौरान किसी अन्य मामले को लेकर वकील कपिल सिब्बल भी कोर्ट में मौजूद थे। कोर्ट ने मुफ्त की योजना के इस मुद्दे पर उनसे भी उनके विचार पूछे। इस पर सिब्बल ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है, लेकिन राजनीतिक रूप से इसे नियंत्रित करना मुश्किल है। वित्त आयोग को अलग-अलग राज्यों को पैसा आवंटित करते समय उनका कर्ज और मुफ्त योजनाओं को ध्यान में रखना चाहिए।

मोदी से लेकर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शहीदों को किया याद, तीनों सेनाओं के चीफ पहुंचे राष्ट्रीय युद्ध स्मारक

नई दिल्ली। आज देशभर में कारगिल विजय दिवस मनाया जा रहा है। 1999 में कारगिल की पहाड़ियों में लगभग 60 दिनों तक भारत और पाकिस्तान के बीच चले युद्ध में आज ही के दिन भारत की जीत हुई थी। हालांकि इस जीत की बड़ी कीमत देश ने चुकाई थी। हमने युद्ध में 500 से ज्यादा वीर सैनिकों को खो दिया था। इन्हीं वीर जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए 26 जुलाई को देश के अलग-अलग जगहों पर कई कार्यक्रम होते हैं। आज भी सेना प्रमुखों समेत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से लेकर राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने शहीदों को याद करके श्रद्धांजलि दी।

साल 1999 में पाकिस्तानी आतंकी और सैनिक कारगिल की पहाड़ियों में घुस आए थे, जिसके बाद भारतीय सेना ने इनके खिलाफ 'ऑपरेशन विजय' चलाया था। कारगिल की हजारों फीट ऊंची चोटियों पर दुश्मन और हमारी फौज नीचे। दोनों ओर गहरी खाई और एकदम सीधी चढ़ान। ऊपर से माइनस तापमान की हाड़ जमा देने वाली ठंड। यानी सब कुछ दुश्मन के फेवर में, लेकिन हमारे रणबांकुरे तो सिर पर कफन बांध कर निकले थे। तिरंगा उनका आराध्य और वतन की हिफाजत सबसे बड़ी पूजा।

कलेक्टर ने स्कूली बच्चों का अभियान चलाकर जाति प्रमाण पत्र बनाने के दिए निर्देश

वन अधिकार पत्र बनाने में प्रगति लाएं, सड़क निर्माण कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं चलेगी

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर वन अधिकार पत्र, स्कूली बच्चों का जाति प्रमाण पत्र, किसानों का ई-केवायसी, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, बूस्टर डोज टीकाकरण अभियान, सड़क निर्माण कार्य की प्रगति, राजस्व के लंबित प्रकरण, मुख्यमंत्री जनचौपाल, टीएल के लंबित प्रकरण सहित अन्य योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की।

उन्होंने शिक्षा, राजस्व विभाग, आदिमजाति विभाग को अभियान चलाकर स्कूली बच्चों का जाति प्रमाण पत्र बनाने के निर्देश दिए है। वन अधिकार पट्टा के संबंध में राजस्व अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा है कि अधिकारी फील्ड विजिट करके निरस्त हुए आवेदनों की सूची संधारित करें और पात्र हितग्राहियों का ग्राम सभा में अनुमोदन कराकर वन अधिकार पट्टा बनाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन की मंशा है कि वनांचल क्षेत्रों के सभी पात्र हितग्राहियों को शत् प्रतिशत वन अधिकार पट्टा देकर लाभांवित किया जाए। इसी दिशा में कार्य करने के लिए कहा गया है। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को विशेष प्रयास करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चे एवं आंगनबाड़ी केन्द्र में पढ़ने वाले पात्र प्रत्येक बच्चे के हाथ में जाति प्रमाण पत्र देना अनिवार्य है। कलेक्टर ने अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं चलेगी। उन्होंने खेती किसानी के सीजन को देखते हुए किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं ईकेवायसी का भी लाभ देने के लिए कहा है। कृषि विभाग को अभियान चलाकर 31 जुलाई तक सभी पात्र कृषकों का ई.केवायसी करवाने के निर्देश दिए है। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को बंटाकन, सीमांकन, नामांत्रण, खाता विभाजन, रिकार्ड दुरूस्तीकरण, भू-अर्जन प्रकरण एवं राजस्व के सभी प्रकरणों का समय-सीमा का ध्यान रखते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए है।

रोस्टर बनाकर स्कूली बच्चों का टीकाकरण करें

बैठक में कलेक्टर ने बूस्टर डोज लगाने के लिए स्कूलों में भी अभियान चलाने के लिए कहा है और रोस्टर अनुसार शिविर लगाकर छुटे हुए लोगों का टीकाकरण कराने के निर्देश दिए है। मुख्यमंत्री भेट मुलाकात के दौरान घोषणाओं पर अमल करने के निर्देश दिए है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को दूरस्थ अंचल क्षेत्रों में मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना बेहतर क्रियान्वयन करने एवं आयुष्मान कार्ड बनाने में प्रगति लाने के निर्देश दिए है। साथ ही पीडब्ल्यूडी विभाग को तपकरा से लवाकेरा, फरसाबहार से दोकड़ा सहित अन्य सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि लोगों की आवागमन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सड़क निर्माण के कार्य को पूर्ण करना बेहद जरूरी है।

एक नजर

अपहरण के शिकार नाबालिग को पुलिस ने छुड़ाया, आरोपी गिरफ्तार

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

जिले के पिथौरा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत, एक नाबालिग युवती को बहला फुसला कर भगाने वाले दो आरोपियों को स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार कर नाबालिग को बरामद किया है। पिथौरा पुलिस थाना में 18 जुलाई को एक नाबालिग को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर कर भगा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कर अपराधीक प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही थी। इस बीच आरोपी की पतासाजी के दौरान थाना प्रभारी राकेश खुटेश्वर को विगत 25 जुलाई को मुखबिर से सुचना मिली कि आरोपी अपहृता को जिला मुंगेली में लेकर रखा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए तत्काल स्टाफ रवाना किया स्थानीय पुलिस ने जिला मुंगेली में मुखबिर द्वारा बताये स्थान दबिश दी। जहा आरोपी यशवंत जांगड़े पिता कलेश्वर जांगड़े 19 साल निवासी कोदवाबानी थाना लालपुर के कब्जे से अपहृता को बरामद किया गया। प्रकरण में आरोपी के सहायक रिश्तेदार विश्वनाथ निषाद पिता भैयाराम उम्र 32 साल निवासी कोदवाबानी थाना लालपुर को धारा 363 366,376,;2, ढ, भादवि, 4, 6 पॉस्को एक्ट में गिरफ्तार किया गया। आरोपी को रिमांड पर जेल भेजा गया है। संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी राकेश खुटेश्वर, सउनि सिकंदर भोई, प्रधान आरक्षक दयासागर भोई, महिला प्रधान आरक्षक सायमा अंबेलकर आरक्षक शैलेश ठाकूर आरक्षक मिहिर बिसी, एवं साइबर सेल आरक्षक रवि यादव व समस्त थाना स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

सफलता की कहानी

धनवंतरी मेडिकल स्टोर से हर वर्ग के लोगों को मिल रहा लाभ

कुनकुरी नगरीय क्षेत्र में 2559 उपभोक्ताओं को 9 लाख 35 हजार से अधिक कीमत की दवाईयों को 4 लाख 10 हजार 751 रुपए पर किया गया प्रदान

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

आम नागरिकों को बाजार में मिलने वाली महंगी दवाईयों से राहत दिलाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा धन्वंतरी जेनरिक मेडिकल स्टोर प्रारंभ किया गया है। जहां सस्ती दर पर मिल रही गुणवत्ता पूर्ण दवाओं का सीधा लाभ आम जनता को मिल रहा है। जेनेरिक मेडिकल स्टोर में दवाईयां निजी मेडिकल स्टोर एवं बाजार में मिलने वाली दवाओं की कीमत की तुलना में 50 से 61 प्रतिशत की छूट पर मिलती है। जिससे उपभोक्ताओं के दवाई में होने वाले खर्च में कमी आ रही है। नगर पंचायत कुनकुरी में संचालित धन्वन्तरी मेडिकल स्टोर में अब तक 2559 उपभोक्ताओं को बाजार या निजी मेडिकल स्टोर्स में 9 लाख 35 हजार से अधिक की कीमत पर मिलने वाली दवाईयों को 4 लाख 10 हजार 751 रुपए पर विक्रय किया गया है। जिससे उपभोक्ताओं की लगभग 5 लाख 22 हजार रुपए का बचत हुआ है।

जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स में 50 से 61 प्रतिशत तक की छूट पर विक्रय की जा रही दवाईयां

जेनेरिक मेडिकल स्टोर में सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर जैसी आम बीमारियों के साथ-साथ गंभीर बीमारियों की जेनेरिक दवाएं, एंटीबायोटिक, सर्जिकल आइटम, वन विभाग के संजीवनी के उत्पाद, सौंदर्य प्रसाधन उत्पाद और शिशु आहार भी उपलब्ध है। मेडिकल स्टोर में दवाई खरीदने आए उपभोक्ताओं का कहना है कि धन्वन्तरी मेडिकल स्टोर खुलने से लोगों को सस्ते दाम पर दवाइयां उपलब्ध हो रही है। सर्दी बुखार सहित अन्य बीमारियों की दवाइयां मेडिकल स्टोर की तुलना में जेनेरिक मेडिकल स्टोर में आधे से कम दाम पर मिल रही है। उपभोक्ताओं ने सस्ती दर पर दवाइयां उपलब्ध कराकर प्रत्यक्ष लाभ आम जन को दिलाने के लिए प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन को सहृदय धन्यवाद दिया है।

दीपक तिवारी अधिवक्ता पूर्व सचिव उमंग उत्साह के साथ केक काटकर जन्म दिवस मनाया

न्यायाधीश व अधिवक्ताओं ने दी बधाई

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा। मंगलवार को जिला सत्र न्यायालय में सभी जिला सत्र न्यायाधीश जयदीप विजय निमोणकर, अपर सत्र न्यायधीश पंकज कुमार सिंहा, कु.न्यायालय विजय कुमार होता, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मधु तिवारी फास्ट कोर्ट, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी 1 कामिनी वर्मा व तनुश्री गवेल, जसविंदर कौर आजमानी मलीक जिला विधिक, व अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं सभी अधिवक्ता मित्रों व उपस्थित जिला संघ अध्यक्ष प्रणीश चौबे,सदस्य व एवी गोवर्धन, मानस मिश्रा, भानु मिश्रा, सलमा शरीफ, परसराम देवांगन लाल, बहादुर शर्मा, राजेश शर्मा, राजेंद्र पांडे,सुनीति कुमार दास, विजय पांडे, रामकुमार जोशी, डीएस साहू,नारद साहू, रविशंकर श्रीवास्तव,मोहित राम वर्मा, प्रसून शुक्ला, हेमंत वर्मा, विवेक तिवारी, विनय किशोर, मनोज नामदेव,कमलेश ठाकुर, एनके सोनी, रविशंकर सोनी, इन्द्रावन वर्मा, कमल पांडे,अधिवक्ता ने केक काटकर सभी अधिवक्ताओं को केक व स्वलपाहार व्यवस्था कर सभी का मुह मीठा कराया दिन भर उमंग उत्साह में दिखते नजर आये उनके अवतरण दिवस पर सभी ने स्नेहिल मान सम्मान व ढ़ेर सारी बधाइयां एवं उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं उक्त जानकारी मणीशंकर दिवाकर अधिवक्ता प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ने दी।

स्वतंत्रता दिवस गरिमामय माहौल में मनाया जायेगा

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर ने ली बैठक

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

जिला मुख्यालय बेमेतरा में स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमामय वातावरण में मनाया जाएगा। कलेक्टर जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में कलेक्टर ने बताया कि मुख्य समारोह बेसिक स्कूल मैदान में होगा। जहां मुख्य अतिथि राष्ट्रीय ध्वज फहरायेंगे और मुख्यमंत्री का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन करेंगे। बैठक में पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह छवई, जिला पंचायत सीईओ लीना कमलेश मण्डावी, अपर कलेक्टर डॉ.अनिल बाजपेयी, एएसपी पंकज पटेल सहित जिला स्तर के अधिकारी, नगरीय निकाय के सीएमओ उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि देश भक्ति पूर्ण गीतों तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का चयन समारोह की गरिमा के अनुकूल किया जाए। उन्होंने कहा कि जहां-जहां शासकीय भवनों में झण्डा फहराया जाता है वहां ध्वज अवतरण के समय का विशेष ध्यान रखा जाए तथा इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारी की ड्यूटी लगाई जाए। कलेक्टर ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सभी शासकीय एवं सार्वजनिक भवनों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जायेगा। विभाग अथवा कार्यालय प्रमुख अपने कार्यालय में ध्वजारोहण करेंगे और राष्ट्रीय गान जन गण मन गाया जायेगा।

कलेक्टर शुक्ला ने कहा कि स्थानीय विद्यालयों के प्रधान अध्यापक और प्राचार्य अपने विद्यालयों में सुबह 7:30 बजे ध्वजारोहण कर छात्र-छात्राओं को प्रभात फेरी कराते हुए 8:30 बजे तक मुख्य समारोह स्थल पहुंचेंगें। समारोह में जिला आरक्षक बल, विशेष बल, होमगार्ड, एनसीसी तथा स्काउट के जूनियर तथा सीनियर छात्र-छात्राओं के परेड आयोजित किए जाएंगे। परेड मैदान में अतिथि गण, प्रेस,मीडिया, शहीद परिवार, आम नागरिक महिला एवं पुरूषों के लिए अलग-अलग सेक्टर बनाया जाएगा। समारोह स्थल में बेरिकेटिंग के लिए बांस बल्लियों की आपूर्ति, बेरिकेटिंग का कार्य, शामियाना एवं कुर्सियॉ आदि की व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल हेतु पानी टैंकर की व्यवस्था के लिए संबंधित विभागों को जवाबदारी दी गई है। इसके अलावा आमंत्रितों की बैठक व्यवस्था, झण्डा, फूल माला तथा गुलदस्ता की व्यवस्था, बिजली एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र की व्यवस्था, चलित अस्पताल, जीवन उपयोगी दवाओं एवं चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था, विभिन्न रंगों के गुब्बारों, शांति के प्रति श्वेत कबूतर की व्यवस्था आदि के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित की गई।

जिले के कलेक्टर एवं एसपी ने ली जिले की कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की बैठक

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

मुख्यमंत्री छग शासन के निर्देशानुसार प्रति मंगलवार टीएल बैठक के पूर्व प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की जा रही है इसी क्रम में 26 जुलाई 2022 दिन मंगलवार को संयुक्त कार्यालय बेमेतरा के सभाकक्ष में जिले के कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जितेन्द्र कुमार शुक्ला एवं पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेन्द्र सिंह के द्वारा कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की बैठक लिया गया। जिसमें जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करने, सोशल मीडिया पर शांति भंग करने वाले प्रसारित सूचनाओं का संकलन एवं सतत निगरानी करने व आसूचना तंत्र मजबूत करने, असामाजिक तत्वों पर सतत निगाह रखने तथा बेमेतरा जिले की कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। उक्त बैठक में जिला पंचायत सीईओ लीना मंडावी, अपर कलेक्टर डॉ. अनिल बाजपेयी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, एसडीओपी राजीव शर्मा, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी कमल नारायण शर्मा, बेरला एसडीएम संदीप ठाकुर, नवागढ़ एसडीएम प्रवीण तिवारी, साजा एसडीएम धनराज मरकाम, संयुक्त कलेक्टर युगल किशोर उर्वशा, डिप्टी कलेक्टर विश्वास राव मस्के, डिप्टी कलेक्टर हीरा गवर्ना, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित प्रशासनिक एवं पुलिस के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पति की हत्या के बाद न्याय के लिए भटक रही पत्नी, कोतवाली पुलिस पर जांच में कोताही बरतने के लगाया आरोप

मृतक की पत्नी ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर, आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की रखी मांग

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

न्याय के लिए भटक रही पत्नी ने कोतवाली पुलिस पर मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। इस संबंध में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों में जल्द गिरफ्तारी की मांग रखी है। मामला ग्राम पंचायत कठिया का है। जहां ग्राम के निवासी मृतक ढेलू राम निषाद उम्र 45 वर्ष 2 जुलाई शाम के बाद वापस घर नहीं लौटा। इसके बाद परिजन आसपास के गांव व रिश्तेदारों के पास पतासाजी करते रहे लेकिन जानकारी नहीं मिलने पर परिवार वालों ने सिटी कोतवाली जाकर 3 जुलाई को गुमशुदगी का रिपोर्ट लिखाई। 4 जुलाई को ग्राम पेंड्री के पास शिवनाथ नदी के किनारे ढेलूराम निषाद की लाश पानी में तैरते मिली। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा था क्योंकि शरीर पर चोट के निशान के साथ सीमेंट के पोल से बांधकर लाश को नदी में फेंका गया था।

किसान नेता योगेश तिवारी ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

किसान नेता ने आंदोलन की दी चेतावनी

किसान नेता योगेश तिवारी ने कहा कि पीड़ित परिवार को जल्द न्याय मिले इसकी उम्मीद पुलिस प्रशासन से करते हैं । घटना के करीब 20 दिनों बाद भी इस मामले में पुलिस के हाथ खाली हैं । हत्या के आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। जो पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। परिजनों ने पुलिस पर जांच में कोताही बरतने के आरोप लगाए हैं। किसान नेता ने मामले में आरोपी की जल्द गिरफ्तारी नहीं होने की स्थिति में आंदोलन की चेतावनी दी है।

मामले की जांच जारी संदिग्धों बुलाकर की जा रही पूछताछ

कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मामले में धारा 302 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। मृतक के परिवार के लोगों ने जिन संदिग्ध लोगों पर हत्या की शंका जाहिर की थी। उन लोगों को बुलाकर पूछताछ की गई है। प्रकरण की विवेचना जारी है। जानकारी के अनुसार पुलिस को अब तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट अब तक अप्राप्त है। गौरतलब हो कि मृतक 2 जुलाई लापता था, जिसकी 4 जुलाई को शिवनाथ नदी में लाश तैरते मिली और 5 जुलाई को मेडिकल कॉलेज में मृतक का पोस्टमार्टम हुआ।

फैड्रेशन के हड़ताल के पहले दिन से ही सरकारी कामकाज ठप्प

दफ्तरों में लगे ताले स्कूलों में पढाई प्रभावित

जोहार छत्तीसगढ़–देवभोग।

छग कर्मचारी फैड्रेशन के पांच दिवसीय हड़ताल पर चले जाने से जहां पहले दिन ही सरकारी कामकाज पर विराम लग गया तो वही दूसरे दिन भी कामकाज प्रभावित रहा इधर शासकीय स्कूलो में पढ़ाई भी पूर्ण प्रभावित हो गया है।

जिलेभर में सत्तर से अधिक कर्मचारी संगठन हड़ताल पर है स्कूल से लेकर जंगल तक में हड़ताल का प्रभाव देखा जा रहा है बच्चे पाठशाला तक तो पहुंच रहे हैं। पर शिक्षक नहीं होने के कारण पढ़ाई से बंचित हो रहे है तो वही वन कर्मचारी संघ भी इस हड़ताल मे शामिल होने से जंगल भी अब असुरक्षित हो गया है। गरियाबंद जिले के सत्तर से अधिक कर्मचारी संगठन जिसमे वन, शिक्षा, राजस्व,पंचायत जैसे महत्वपूर्ण विभाग शामिल है के हड़ताल पर जाने से क्षेत्र के लोगों को बिना काम के बैरंग लौटना पड़ रहा है वही अपने कामकाज नहीं होने के कारण लोग दफ्तर का चक्कर काट कर परेशान हो गये हैं।

कई दफ्तरो में हड़ताल के कारण ताले लगे

जब जोहार छग देवभोग ने ब्लाक स्तरीय दफ्तरों पर नजर डाला तो कृषि कार्यालय जनपद पंचायत के कई शाखाओं सहित एक शिक्षकीय शालाओं में ताला लगा पाया कही कही कुछ विद्यालयों में परिवेक्षा अवधि के दौर से गुजर रहे शिक्षक तो कही स्वीपर और चपरासी के भरोसे मुश्किल से चल रहा है। सरकारी आंकड़ो की माने तो देवभोग ब्लाक मे दर्जनभर ऐसे स्कूल है जहां एक शिक्षक पदस्थ है ऐसे ही कृषि कार्य के ऐन वक्त पर कृषि विभाग में सभी कर्मचारी हड़ताल पर चले गये तो ताला तक नहीं खुल सका।

क्या है इनकी दो सूत्रीय मांग जिसके लिये कर्मचारी लम्बी लड़ाई लड़ रहे हैं

राज्यभर में छग कर्मचारी फैड्रेशन 25 से29जुलाई तक और शिक्षक संघ अनिश्चित कालीन हड़ताल पर चले गये। मंहगाई भत्ते में बड़ा अंतर है 22 प्रतिशत के एवज में केन्द्र के समान 34 प्रतिशत और गृहभत्ते को सातवें वेतनमान के अनुरूप पुनरीक्षित करना ये इनकी दो सूत्रीय मांग है जिसके लिये फैड्रेशन पिछले तीन वर्षो से लम्बी लड़ाई लड रहा है। इसके पहले भी कर्मचारी हडताल पर जा चुके है।वन कर्मचारी संघ ने तो इस विसंगति के लिये गर्मीभर 22 दिनो की लड़ाई लड़ी है। वन कर्मचारी संघ के जिला सचिव दिनेशचंद्र पात्र शिक्षक संघ के गिरीश बेहेरा,धोबलेश्वर बेहेरा, केशरी कश्यप ने कहा फैड्रेशन बार बार सरकार को मांग सौंपने के बाद भी संज्ञान नही ले रही है इस बार ऐसी स्थिति रही तो उग्र आंदोलन करने पर विवश हो जायेंगे।

अब आर पार की लड़ाई लड़ने का लिया है निर्णय

कर्मचारीयो में भारी आक्रोश है दूसरे चरण के हड़ताल पर ब्लाक से जिला स्तर पर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी हो रही है। फैड्रेशन के पदाधिकारी सरकार को चेतावनी दे रहे है अगर उनकी मांग पर अमल नही हुआ तो काम बंद कलम बंद के बाद सड़क आंदोलन करेंगे और इसबार कर्मचारी फैड्रेशन अपनी दो सत्रीय मांग के लिये आर पार की लड़ाई लड़ने को तैयार हो गये हैं।

एक नजर

चंदन तस्कर हुआ गिरफ्तार वन परीक्षेत्र बिहारपुर का मामला 1 गिरफ्तार 4 हुए फरार

जोहार छत्तीसगढ़–कोरिया।

वन मंडल मनेंद्रगढ़ के अंतर्गत वन परीक्षेत्र बिहार पुर के हसदेव नर्सरी जंगल से चंदन के पेड़ काट कर ले जाने की फिराक में लगे एक चंदन तस्कर को वन विभाग के अमले ने गिरफ्तार करने में सफ लता प्राप्त कर ली है वही मौके से चार अन्य भागने में सफल हो गए जिनकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। पूरे मामले की जानकारी देते हुए वन परीक्षेत्र अधिकारी बिहार पुर शंखमुनि पांडे ने बताया कि चंदन तस्कर रात को फेसिंग में लगी जाली को काटकर अंदर घुसे थे जैसे ही उन्हें इस बात की जानकारी मिली उन्होंने तत्काल इसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी वन मंडल अधिकारी लोकनाथ पटेल के निर्देश और अनुविभागीय अधिकारी वन के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम बनाकर जंगल में सर्चिंग अभियान चलाया गया सुबह लगभग 8 बजे वन अमले को देखकर चंदन तस्कर भागने लगे जिन्हें दौड़ाकर पकड़ने की कोशिश की गई और एक आरोपी को पकड़ लिया गया वहीं मौके का फायदा उठाकर 4 चंदन तस्कर भागने में सफल हो गए। पकड़े गए आरोपी का नाम बिलमिस पवार आ. कालेदास उम्र 34 वर्ष जाति बहेलिया निवासी शिवपुरा जिला डिंडोरी म.प्र. है। परीक्षेत्र अधिकारी ने आगे बताया कि आरोपी द्वारा अवैध रूप से चंदन के 9 नग वृक्ष हसदेव के कक्ष क्रमांक 768 में काटे गए हैं जिसमें 250 किग्रा चंदन की लकड़ी की जब्ती की गई है। अबे चंदन की कटाई का कार्य करने का व्यक्ति पूर्व से आदतन अपराधी है जिससे पर्यावरण को काफ ी नुकसान हुआ है। आरोपी के बयान के बाद उसके अन्य साथियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है जल्दी ही वे सभी भी पकड़ लिए जाएंगे आरोपी के विरुद्ध वन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कार्यवाही करके न्यायिक रिमांड में भेज दिया गया है। संपूर्ण कार्यवाही में वन परिक्षेत्र अधिकारी बिहार पुर शंखमणि पांडे, डिप्टी रेंजर हीरा सिंह, दीपक सोनवानी, शाहबाज कामिल पवन केवट और चार चौकीदारों की सराहनीय भूमिका रही।

चेम्बर भवन में अयोजित होगा विशाल हृदय सुरक्षा सेमिनार

कोरबा । जिला चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज कोरबा के द्वारा विशाल नि:शुल्क हृदय सुरक्षा सेमिनार अयोजित कर रहा है जिला चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज कोरबा अध्यक्ष योगेश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 जुलाई 2022 मंगलवार को शाम 4:00 बजे से रात्री 7:00 बजे तक जिला चेम्बर ऑफ कॉमर्स भवन डीडीएम रोड, कोरबा में विशाल नि: शुल्क हृदय सुरक्षा सेमिनार का आयोजन किया जायेगा।

आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत 11 से 17 अगस्त 2022 तक होगा हर घर झण्डा कार्यक्रम का आयोजन

हर घर में लहराएगा तिरंगा, कलेक्टर ने राष्ट्र ध्वज लगाने की अपील

जोहार छत्तीसगढ़–बेमेतरा।

आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर 11 से 17 अगस्त 2022 तक हर घर झण्डा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिले में इस कार्यक्रम को लेकर कलेक्टर जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने अधिकारियों को विशेष तैयारी के निर्देश दिए हैं। राष्ट्र के प्रति गौरव और सम्मान के लिए गांव से लेकर शहर तक हर घरों में तिरंगा फहराने के लिए उन्होंने सभी से अपील भी है। जिले में सभी नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। देश भक्ति की भावनाओं को विकसित करने के साथ देश के प्रति समर्पित रहने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर ने हर घर झण्डा कार्यक्रम अंतर्गत सतत मानिटरिंग के लिए सभी अधिकारियों को शासन के दिशा निर्देश अनुरूप अपने स्तर पर कार्रवाई करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिले के अन्तर्गत सार्वजनिक उपक्रमों, स्व.सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों आदि के समस्त कर्मचारियों एवं उनके परिवार की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है। कलेक्टर ने राष्ट्र ध्वज के मानकों का पालन करते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर सरपंचों एवं पंचायत के अन्य सदस्य एवं पदाधिकारियों की सहभागिता से कार्यक्रम को सफ ल बनाने की अपील की है। उन्होंने कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय स्तर पर प्रत्येक गांव में झण्डा वितरण और बिक्री केन्द्र स्थापित करना, स्थानीय स्वसहायता समूह को झण्डों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित एवं भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने झण्डे की खरीदी के लिए समूहों को प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए हैं। समस्त शासकीय भवनों एवं संस्थानों में झण्डा फहराना सुनिश्चित किया जाएगा। कलेक्टर ने पाम्पलेट, बैनर सहित अन्य प्रचार माध्यमों की सहायता से स्वतंत्रता सप्ताह में हर घर झण्डा कार्यक्रम को सफल बनाने की दिशा में काम करने कहा है।

पिछड़ी जनजाति को जागरूक कर मुख्य धारा से जोड़ रही सरकार - पुरूषोत्तम कंवर

कोरबा । जिले में पारंपरिक जनजातीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पारंपरिक खेलों का आयोजन कोरबा जिला अंतर्गत विकासखंड स्तर पर 20 और 21 जुलाई को किया गया। जिला स्तरीय खेल मड्ई का दो दिवसीय आयोजन एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय छुरीकला में किया गया। जिला स्तरीय विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों का खेल मडई महिला वर्ग का फुगड़ी, कबड्डी, रस्साखींच व बोरा दौड़ प्रतियोगिता एकलव्य विद्यालय छुरीकला में आयोजित की गई। मुख्य अतिथि से रूप में पुरूषोत्तम कंवर विधायक कटघोरा शामिल हुए। कार्यक्रम के समापन समारोह में निलम देवांगन अध्यक्ष नगर पंचायत छुरी व गोविंद सिंह कंवर उपाध्यक्ष जनपद पंचायत कटघोरा, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास माया वारियर शामिल हुए। इस दौरान सरपंच ग्राम पंचायत कुसरेंगा, पहाड़ी कोरवा समुदाय के उपाध्यक्ष बाबू लाल पहाड़ी कोरवा एवं बिरहोर समाज प्रमुख बरत राम बिरहोर, समारूराम पहाड़ी कोरवा व जीवन राम पहाड़ी कोरवा भी मौजूद रहे। 24 जुलाई के प्रतियोगिता में 84 बालिका वर्ग के प्रतियोगी विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल हुए।

गुरूकुल में गुरू का कलंकित कारनामा, दीक्षार्थी बालकों का यौन शोषण

कुकर्मी कोमल को महासमुंद में पुलिस ने दबोचा

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

प्राच्यकालीन गुरुकुल परंपरा के तहत वैदिक शिक्षा देने वाली संस्था आर्ष गुरुकुल आश्रम कोसरंगी में दीक्षारत छात्रों के साथ आश्रम अधीक्षक द्वारा शर्मनाक अश्लील हरकत यह जाने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आश्रम अधीक्षक आचार्य कोमल वैष्णो द्वारा विगत लंबे समय से गुरुकुल में रहकर पढ़ने वाले सातवीं आठवीं के छात्रों के साथ कुत्सित हरकत को अंजाम दिया जा रहा था। आचार्य कोमल बच्चों को मालिश के बहाने अपने कक्ष में बुलाकर उनका यौन शोषण करता था एवं इस बात की

जानकारी किसी अन्य को देने से मना करते हुए धमकी भी देता था। यही नहीं जब कोई छात्र फोन माध्यम से अपने परिजनों से बातचीत कर रहा होता है तब आचार्य कोमल उनके सामने बैठकर यौन उत्पीड़न के बारे में परिजनों को नहीं बताने के लिए धमकी देता था तथा बालकों के साथ मारपीट भी किया करता था। घटना का खुलासा तब हुआ जब कुछ बच्चों के परिजन उनसे मिलने के लिए आश्रम पहुंचे। पीड़ित बच्चों ने उनके फोन के माध्यम से अपने परिचितों को पूरी जानकारी से अवगत कराया। बच्चों के परिजनों ने मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस में इसकी शिकायत की। चाइल्ड लाइन मे भी शिकायत दर्ज कराई गई। जिले की खल्लारी पुलिस द्वारा इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी आचार्य कोमल वैष्णव के खिलाफ भारतीय दंड विधान की धारा 325, 506 फोन 6 10, पास्को एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। करतूत उजागर होने के बाद से आश्रम से फरार आचार्य कोमल को पुलिस द्वारा महासमुंद से दबोच कर हिरासत में ले लिया गया है। एवं बाल विकास विभाग के बाल संरक्षण अधिकारी हेमराज चौधरी ने बताया कि शारीरिक शोषण की शिकायत के बाद बच्चों का कथन लिया गया है बच्चों ने बताया आचार्य कोमल ने उनका शारीरिक शोषण किया है अभी इस मामले को बाल कल्याण समिति में प्रस्तुत किया जाएगा और आगे की कार्रवाई की जाएगी चार पांच बच्चों का कथन थे ये लिया गया है। खलारी थाना प्रभारी अशोक वैष्णव के अनुसार चाइल्ड केयर को इसकी सूचना दे दी गई है आरोपी घटना के बाद से फरार था जिसे महासमुंद से घेराबंदी कर पकड़ लिया गया है।

आवश्यकता है

		पद
1. समाचार रिपोर्टर	–	3
2. कम्प्यूटर आपरेटर	–	1
3. ऑफिस कार्य के लिए	–	3

वेतन योग्यतानुसार

इच्छुक युवक/युवति अपना बायोडाटा के साथ संपर्क करें।

दैनिक जोहार छत्तीसगढ़

कार्यालय धरमजयगढ़

मो, 9479177711, 7489419194 ,7879121221

कर्मचारियों की हड़ताल जारी

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

विभिन्न कर्मचारी संगठनों की हड़ताल के चलते आज लगातार चौथे दिन भी सभी सरकारी कार्यालयों में ताले लटके रहे। दूसरी ओर सरकारी काम अटकने से ग्रामीणो में भारी नाराजगी देखी जा रही है। कर्मचारी संगठन अपनी दो सूत्रीय मांग को लेकर आज दूसरे दिन भी हड़ताल पर है। सभी कर्मियों के हड़ताल पर चले जाने से सभी कार्यालय एवम सरकारी स्कूल बंद है और इनके मुख्य द्वार पर ताला लटकता दिखाई दे रहा है। कर्मचारी केंद्रीय महंगाई भत्ता के बराबर भत्ता एवम गृह भत्ता देने में मांग पर काम बन्द कर हड़ताल कर रहे है।जनपद पंचायत परिसर में सैकड़ों की संख्या में तंबू लगा कर अधिकारी कर्मचारी बैठ कर सभा कर रहे है।

कर्मियों को अधिकार याद परन्तु कर्तव्य भूल जाते हैं

दूसरी ओर कर्मचारी संगठनों की हड़ताल से सरकारी काम पूरी तरह ठप्प हो गया है। जिसका सीधा असर आम लोगो पर पड़ रहा है। एक ग्रामीण ने तहसील कार्यलय में काम नही होने की बात पर खासी नाराजगी व्यक्त करते हुए टिप्पणी की है कि अपने वेतन भत्ते के लिए कर्मी अपने अधिकारों को तो समझते है परन्तु अपने कर्तव्यों को भूल जाते है। ज्ञात हो कि सरकारी कार्यालयों में लगातार काम बन्द होने से ग्रामीणों को छोटे.छोटे काम के लिए परेशान होना पड़ रहा है।जिससे ये नाराजगी कभी भी उग्र रूप ले सकती है।याब ग्रामीण चाहते है कि शासन या तो इन्हें इनकी मुहमांगी सुविधा दे या इन पर सख्ती से कार्यवाही करें जिससे पूर्व से एक दिन कटौती के साथ खुल रहे कार्यालयों में अपने कामो के लिए ग्रामीणों को भटकना न पड़े।

सड़क दुर्घटना में कमी लाने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

यातायात नियमों का पालन करने कलेक्टर ने की आम नागरिकों से अपील

जोहार छत्तीसगढ़–बेमेतरा।

कलेक्टर जितेन्द्र कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट के दिशा सभाकक्ष बेमेतरा में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने कहा कि मानव जीवन अनमोल हैए उन्हाने बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों का पालन करने की अपील आम नागरिकों से की, जिससे वाहन दुर्घटना मे कमी लायी जा सके।

जिलाधीश ने कहा कि सड़कों पर आवारा मवेशी बैठे या घूमते पाये जाने पर संबंधित जनपद पंचायत के सीईओं एवं नगरीय निकाय के सीएमओ के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी। बैठक में ब्लैक स्पॉट की पहचान, सुधार हेतु लोक निर्माण विभाग द्वारा नियत प्रोटोकाल, कैलेण्डर के अनुसार कार्यवाही,सड़कों का यातायात संकेतक का पालन करने, चेतावनी, ट्रेफि क कॉलिंग, ड्रायविंग में विचलित करने वाले होर्डिंग्स हटाया जाना, फु टपाथ, पार्किंग, सर्विस लेन आदि से अतिक्रमण हटाना, दुर्घटनाओं के कारण, स्कूल बस की जांच की समीक्षा कर उपचारात्मक कार्यवाही करने निर्देश दिए। पुलिस विभाग द्वारा लोगों को हेलमेट लगाने, नशे की हालत में वाहन न चलाने एवं अन्य ट्रैफि क नियमों के पालन की कार्यवाही तथा खतरनाक तरीके से वाहन चालन हेतु ड्रायविंग लायसेस निलंबन की कार्यवाही के संबंध में चर्चा की गई। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि बेमेतरा जिले में पिछले छ: माह की अवधि के दौरान सड़क दुर्घटना से 117 लोगों की मृत्यु हुई है। पुलिस अधिक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने ट्रैफि क नियमों का पालन करने तथा खतरनाक तरीके से वाहन चलाने हेतु ड्रायविंग लाईसेस की निलंबन की कार्यवाही, दुर्घटना के शिकार हुए लोगों को तत्काल मदद् चिकित्सा हेतु प्रबंध के संबंध में जानकारी दी। कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग ने बताया कि बेमेतरा जिले में शासकीय पीजी कॉलेज, कारेसरा चौंक एवं कोबिया तिराहा बेरला मोड़, खर्रा मोड़, झुलना मारो मोड,को ब्लैक स्पॉट के रुप मे चिन्हित किया गया है।

बैठक में दुर्घटनाओं के शिकार हुए लोगों की तत्काल मदद, चिकित्सा हेतु प्रबंध, जिला सड़क सुरक्षा समिति गठन संबंधी अधिसूचना में दिए गए बिंदुओं का पालन, जिले में विभिन्न विभागों एजेंसियों के समन्वय से यातायात नियमों के पालन, सड़को पर सामान नही फैलाने, शिक्षा एवं जागरूकता एवं बेहतर व सुरक्षित यातायात हेतु अन्य आवश्यक उपाय पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ लीना कमलेश मण्डावी, अपर कलेक्टर डॉ. अनिल बाजपेयी, एएसपी पंकज पटेल, जिला परिवहन अधिकारी अरविंद भगत, जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, उप पुलिस अधीक्षक यातायात, कमल नारायण शर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी होरी सिंह ठाकुर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला–रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक –**नारायण बाईन,** फोन –फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in